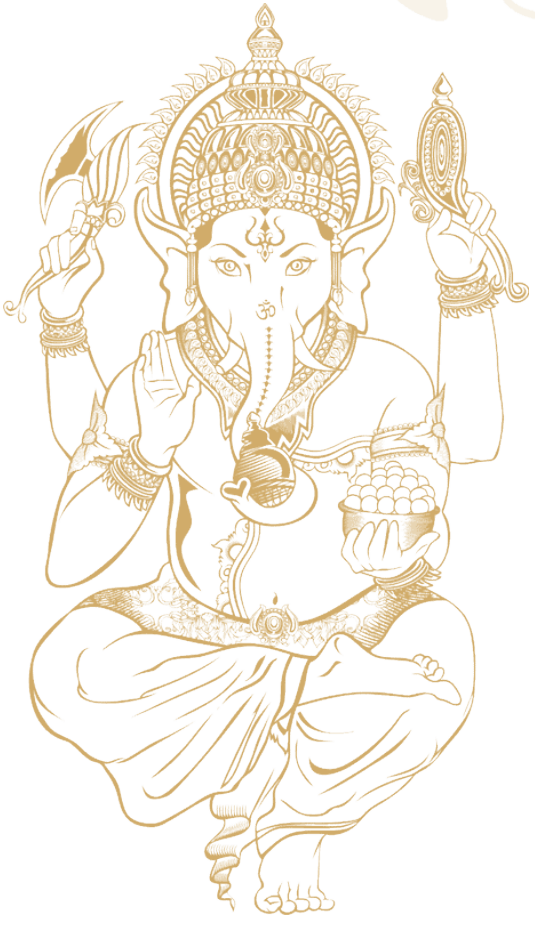

Sh. Umesh Sharma

21 Oct 1956

08:39 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121591605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/10/1956**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:39:00 घंटे**
इष्ट	05:26:48 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:17:40 घंटे
वेलान्तर	00:15:21 घंटे
साम्पातिक काल	10:15:49 घंटे
सूर्योदय	06:28:16 घंटे
सूर्यास्त	17:43:25 घंटे
दिनमान	11:15:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:26:39 तुला
लग्न के अंश	01:09:45 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:09:45	302:32:48	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			तुला	04:26:39	00:59:40	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	21:48:53	13:30:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	20:38:44	00:08:15	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कन्या	19:50:35	01:35:42	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
गुरु			सिंह	28:33:36	00:11:39	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	24:04:18	01:10:27	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	07:48:30	00:06:20	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	05:57:14	00:01:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	05:57:14	00:01:34	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
हर्ष			कर्क	13:30:27	00:01:12	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	---
नेप			तुला	06:48:27	00:02:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
प्लूटो			सिंह	06:45:37	00:01:12	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	08:42:15	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:27

लग्न-चलित

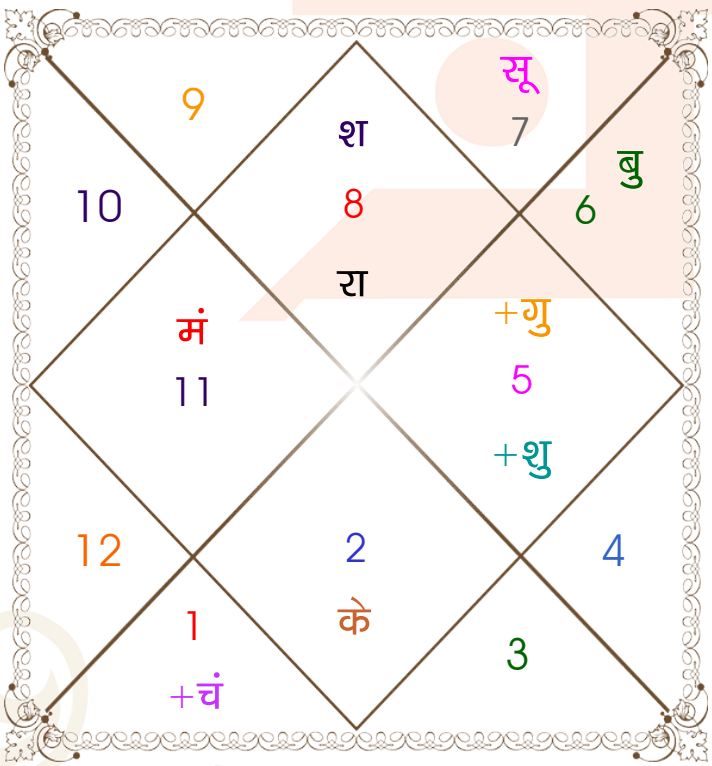

चन्द्र कुंडली

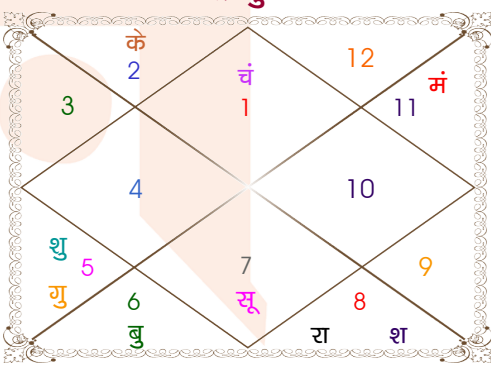

नवमांश कुंडली

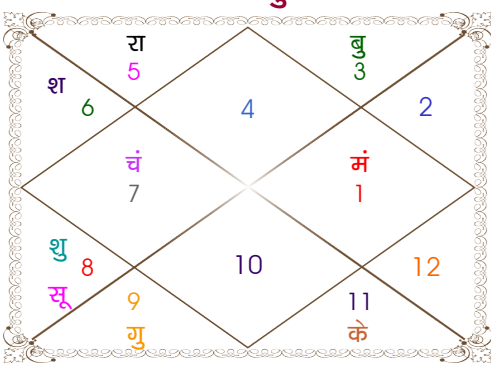

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 3 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/10/1956		31/01/1964		31/01/1970		31/01/1980		31/01/1987	
31/01/1964		31/01/1970		31/01/1980		31/01/1987		30/01/2005	
	00/00/0000	सूर्य	20/05/1964	चंद्र	01/12/1970	मंगल	28/06/1980	राहु	13/10/1989
	00/00/0000	चंद्र	18/11/1964	मंगल	02/07/1971	राहु	17/07/1981	गुरु	08/03/1992
	00/00/0000	मंगल	26/03/1965	राहु	31/12/1972	गुरु	23/06/1982	शनि	13/01/1995
	00/00/0000	राहु	18/02/1966	गुरु	02/05/1974	शनि	02/08/1983	बुध	01/08/1997
	21/10/1956	गुरु	07/12/1966	शनि	01/12/1975	बुध	29/07/1984	केतु	20/08/1998
गुरु	01/12/1956	शनि	19/11/1967	बुध	02/05/1977	केतु	25/12/1984	शुक्र	19/08/2001
शनि	31/01/1960	बुध	25/09/1968	केतु	01/12/1977	शुक्र	24/02/1986	सूर्य	14/07/2002
बुध	01/12/1962	केतु	30/01/1969	शुक्र	02/08/1979	सूर्य	02/07/1986	चंद्र	13/01/2004
केतु	31/01/1964	शुक्र	31/01/1970	सूर्य	31/01/1980	चंद्र	31/01/1987	मंगल	30/01/2005

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/01/2005		30/01/2021		31/01/2040		30/01/2057		31/01/2064	
30/01/2021		31/01/2040		30/01/2057		31/01/2064		00/00/0000	
गुरु	21/03/2007	शनि	03/02/2024	बुध	29/06/2042	केतु	29/06/2057	शुक्र	02/06/2067
शनि	01/10/2009	बुध	13/10/2026	केतु	26/06/2043	शुक्र	29/08/2058	सूर्य	01/06/2068
बुध	07/01/2012	केतु	22/11/2027	शुक्र	26/04/2046	सूर्य	04/01/2059	चंद्र	31/01/2070
केतु	13/12/2012	शुक्र	22/01/2031	सूर्य	02/03/2047	चंद्र	05/08/2059	मंगल	02/04/2071
शुक्र	14/08/2015	सूर्य	04/01/2032	चंद्र	01/08/2048	मंगल	01/01/2060	राहु	02/04/2074
सूर्य	01/06/2016	चंद्र	04/08/2033	मंगल	29/07/2049	राहु	18/01/2061	गुरु	21/10/2076
चंद्र	01/10/2017	मंगल	13/09/2034	राहु	15/02/2052	गुरु	25/12/2061		00/00/0000
मंगल	07/09/2018	राहु	20/07/2037	गुरु	23/05/2054	शनि	03/02/2063		00/00/0000
राहु	30/01/2021	गुरु	31/01/2040	शनि	30/01/2057	बुध	31/01/2064		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।